

Life Cycle Cost



The image features a dark, textured asphalt background with a prominent yellow vertical stripe on the left side. The text 'Activity Based Costing' is displayed in a bold, white, sans-serif font. The letters 'A', 'B', and 'C' are significantly larger and are placed on the yellow stripe, while the words 'ctivity', 'ased', and 'osting' are smaller and positioned to the right of the stripe.

Activity
Based
Costing

A graphic featuring a vertical yellow line on a dark, textured background. The words "Target Costing" are written in a bold, yellow, sans-serif font. The letter 'T' in "Target" is positioned to the left of the yellow line, while the letter 'C' in "Costing" is positioned to the right of the yellow line.

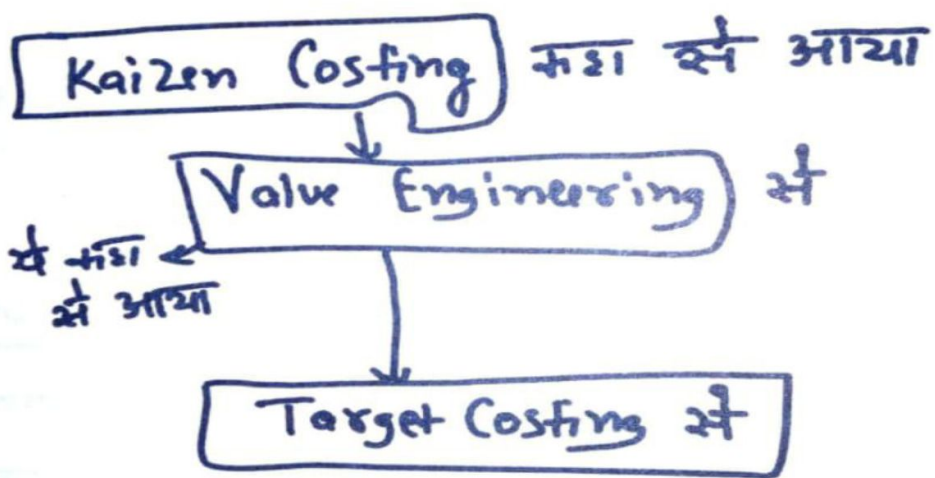
Target
Costing

c) Toyota ने General Motors को हरा दिया था
Kaizen Costing को अपनाने के

⇒ Ignore NVA [Non Value Added] Activity.
जो Value जो लग नहीं रहे लिये खर्चा नडा रहे।

⇒ Eliminate Waste.

c) Toyota ने General Motors को हरा दिया था
Kaizen Costing को पुरे करने



⇒ Ignore NVA [Non Value Added] Activity.
जो Value में लगाने नहीं रहे लिये खर्च नही करें

③ Collective Decision Making.

④ Unlimited Scope for Improvement:-

[There is always room for Improvement]

Improvement हमेशा किया जा सकता है Means हमारे काम करने का तरीका यदि -2 Best नहीं होता उससे हमेशा Improvement के chances होते हैं।

⑤ Setting Standards & Improving them :- लगातार Standard Set करते हैं और उन्हें लगातार Change करते करते हैं।

⑥ Eliminate Wastage & Improve Productivity.

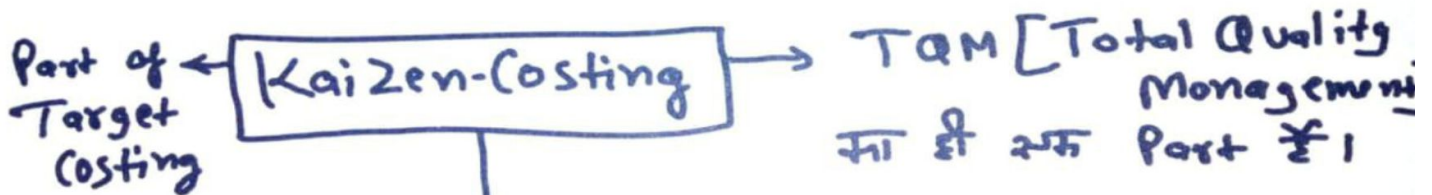
Principles of Kaizen Costing :-

- ① Involve Every Employee And All Areas.
- ② Gradual Improvement → छोटे-2 Improvement की बात सही है।
- ③ Collective Decision Making.
- ④ Unlimited Scope for Improvement :-

[There is always room for Improvement]

Improvement हमेशा किया जा सकता है Means हमारे काम करने का तरीका सही -2 Best नहीं होता उससे हमेशा Improvement के chances होते हैं।

2. Kaizen Costing Method



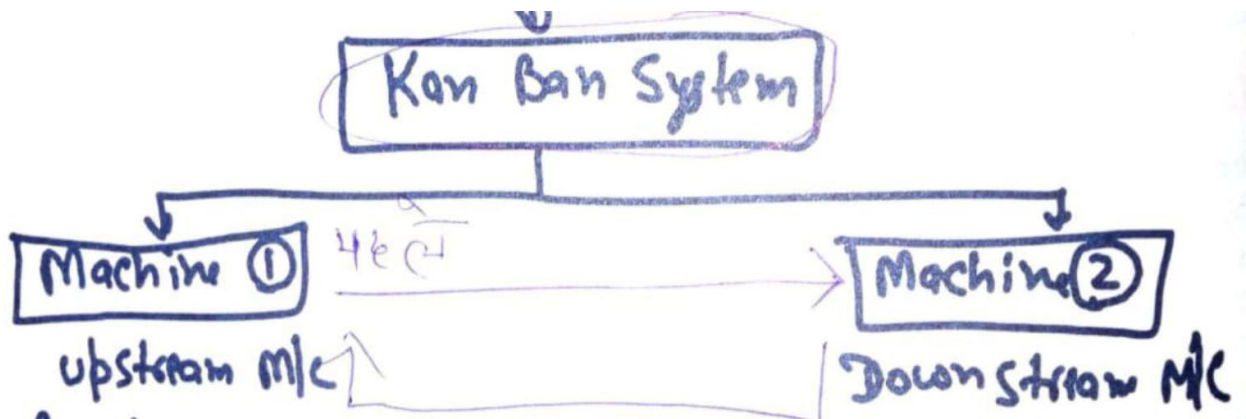
Japanese word है → "Change for Good"

Toyota (कॉन्क्रेट इसका शब्द) [छोटो - 2 Improvement]

⇒ Kaizen में कबि बि लड़ change नहीं किया जाते,
लड़ - 2 change का लोला है Value Analysis /
Value Engineering.

→ जैय ये concept ISA ने अपनाया तो उसने कहा
Inventory in NVA [No. Value Added Activity]

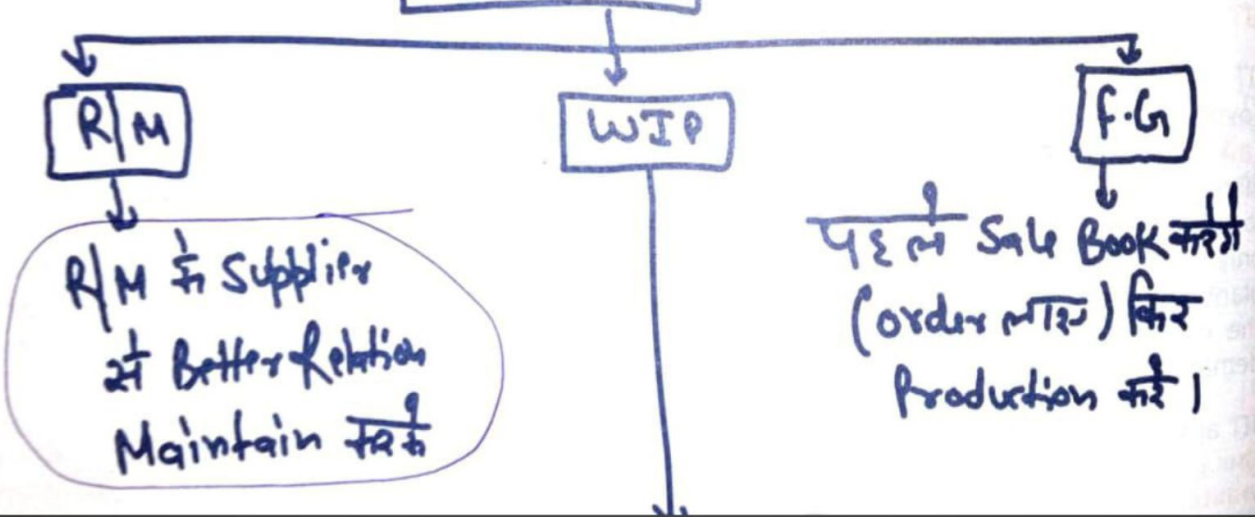
↓
It adds Nothing to the value of products. इसलिए
जाय कम से कम Inventory से Business करे।



- पहले ये system था M① सामान बना कर M② को सौंपती थी।
- लेकिन अब M① Production M② के According करेगी।

Inventory

कैसा खालका Min-Stock Maintain करेगा।



R/M से Supplier से Better Relation Maintain करे

पहले Sale Book करेगा (order मात्र) फिर Production करे।

JIT - Background and History

JIT is a manufacturing management process. It was first developed and applied in the Toyota manufacturing plants in order to meet consumer demands with minimum delays. **Taiichi Ohno** of Japan is referred as the father of Just In Time. Toyota met the increasing challenges for survival through a management approach that was entirely focused on people, systems and plants. Toyota realised the Just In Time approach would only be successful if **every person** within the Toyota was committed and involved in it if plant and processes were properly arranged for maximum efficiency and output, and if the quality of the goods produced and production programs were scheduled to meet demands exactly.

JIT approach has the capacity, when adequately applied to the organisation, **to improve the competitiveness** of the organisation in the market significantly by **minimizing wastes and improving production efficiency and the product quality.**

Just-in-time also known as JIT is an **inventory management method** whereby labour, material and goods (to be used in manufacturing) are re-filled or scheduled to arrive exactly when needed in the manufacturing process.

Japan में जहाँ से सभी चीं पकड़ें 2nd world war में
Disaster हो गया था।

1) JIT - Just In Time Inventory Management

Japanese Mgt Philosophy



JIT means → Just in time Production] → Quality Prod.
→ " " " Purchasing] → Zero Defect
→ " Inventory]

जेआईटी - पृष्ठभूमि और इतिहास JIT एक निर्माण प्रबंधन प्रक्रिया है। न्यूनतम देरी के साथ उपभोक्ता मांगों को पूरा करने के लिए इसे पहली बार टोयोटा विनिर्माण संयंत्रों में विकसित और लागू किया गया था। जापान के ताइची ओहनो को जस्ट इन टाइम का जनक कहा जाता है। टोयोटा ने एक प्रबंधन दृष्टिकोण के माध्यम से अस्तित्व की बढ़ती चुनौतियों का सामना किया जो पूरी तरह से लोगों, प्रणालियों और पौधों पर केंद्रित था। टोयोटा ने महसूस किया कि जस्ट इन टाइम दृष्टिकोण केवल तभी सफल होगा जब टोयोटा के भीतर प्रत्येक व्यक्ति प्रतिबद्ध और इसमें शामिल हो, यदि संयंत्र और प्रक्रियाओं को अधिकतम दक्षता और उत्पादन के लिए उचित रूप से व्यवस्थित किया गया हो, और यदि उत्पादित वस्तुओं और उत्पादन कार्यक्रमों की गुणवत्ता निर्धारित की गई हो मांगों को सटीक रूप से पूरा करें। जेआईटी दृष्टिकोण में क्षमता है, जब संगठन के लिए पर्याप्त रूप से लागू किया जाता है, तो कचरे को कम करके और उत्पादन क्षमता और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करके बाजार में संगठन की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने के लिए।

काइज़न मासाकी इमाई द्वारा शुरू की गई एक जापानी प्रबंधन अवधारणा है, जो जापानी प्रतिस्पर्धी सफलता की कुंजी साबित हुई। इस अवधारणा का महत्व है: केएआई = बदलें और ज़ेन = बेहतर के लिए, और अनुवाद "निरंतर सुधार" है, जिसका अर्थ है चल रहे प्रयासों में छोटे सुधार। पश्चिमी अवधारणा के विपरीत, समय के बड़े अंतराल पर, बड़ी मात्रा में संसाधनों और उच्च लागत सूत्र का उपयोग करते हुए, कुल परिवर्तन का अर्थ है, काइज़न कॉस्टिंग दैनिक, क्रमिक, धीमी, लेकिन निरंतर सुधार चाहता है, जो न्यूनतम लागत पर होता है।